अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : छठी – जैन धर्म विशारद (परीक्षा 30 जून, 2013)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	7	8	कुल योग
प्राप्तांक									
पूर्णांक	10	10	10	10	20	4	18	18	100
पुनः जाँच									

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a) जलचर उत्पन्न हो सकते हैं -

(क) छठी नरक तक (ख) सातवीं नरक तक

(ग) 6-7वीं नरक में (घ) पांचवीं नरक तक ( )

(b) मनुष्य गति में नहीं आ सकते हैं -

(क) पृथ्वीकाय के जीव (ख) अप्काय के जीव

(ग) तेउकाय के जीव (घ) वनस्पतिकाय के जीव ( )

(c) चौथी नरक से निकले जीव नहीं बन सकते हैं -

(क) श्रावक (ख) साधु

(ग) केवली (घ) तीर्थकर ( )

(d) देवगति में निम्न अवस्था वाले ही जाते हैं -

(क) अपर्याप्त (ख) पर्याप्त

(ग) दोनों (घ) इन्द्रिय पर्याप्ति पूर्ण ( )

(e) नारकी काल करके नहीं जाता है -

(क) नरक में (ख) देव में

(ग) दोनों में (घ) कोई नहीं ( )

(f) संध्या कितनी होती हैं -

(क) 01 (ख) 02

(ग) 03 (घ) 04 ( )

(g) आत्मागम आदि तीन प्रकार किस सूत्र में प्रतिपादित है -

(क) भगवती में (ख) ठाणांग में

(ग) अनुयोग में (घ) नंदी में ( )

(h) आवश्यक सूत्र है -

(क) 06 (ख) 01

(ग) 04 (घ) 32 ( )

(i) आकाश सम्बन्धी अस्वाध्याय का कारण नहीं है -

(क) यूपक (ख) मिहिका

(ग) निर्घात (घ) पतन ( )

(j) रात्रिभोजन कौनसा अनाचीर्ण है -

(क) तीसरा (ख) चौथा

(ग) पाँचवाँ (घ) छठा ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) रात्रिभोजन करने से उसे पचाने का पर्याप्त समय मिलता है। ( )

(b) चैत्र में पाँच महापूर्णिमाएँ होती हैं। ( )

(c) सम्पूर्ण आगम मंगलाचरण रूप है। ( )

(d) समवायांग सूत्र चौथा उपांग सूत्र नहीं है। ( )

(e) 11वें पौषध को चार प्रहर का कर सकते हैं। ( )

(f) अन्तगडदशा सूत्र में भिक्षु प्रतिमाओं का उल्लेख नहीं है। ( )

(g) अन्तगडदशा सूत्र में भगवान महावीर के शासन की 51 आत्माओं का वर्णन है। ( )

(h) अर्जुन मालाकार को संथारा आया था। ( )

(i) भगवान अरिष्टनेमि के शासन में प्रवर्तिनी साध्वीजी नहीं हुए। ( )

(j) अन्तगडदशा सूत्र में वर्णित सभी आत्माएँ बाल ब्रह्मचारी नहीं थे। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) मैं आगामी चौबीसी में 'अमम' नामक तीर्थकर बनूँगा। .....

(b) अन्तगडदशा सूत्र में वर्णित आत्माओं में मैंने सबसे अधिक
दीक्षा पर्याय का पालन किया। .....

(c) नववें देवलोक एवं उसके आगे सिर्फ मैं ही जाता हूँ। .....

(d) मैं ऐसा सन्नी तिर्यच पंचेन्द्रिय हूँ जो तीसरी नरक तक ही जाता हूँ। .....

(e) हम ऐसे युगलिक हैं जो दूसरे देवलोक तक ही जाते हैं। .....

(f) मेरी आगति 25 की है। .....

(g) मेरी गति 517 की है। .....

(h) मेरी आगति 83 की है। .....

(i) मुझे रावण (राक्षस) की उपमा दी गई है। .....

(j) मैं तीसरा शिक्षा व्रत हूँ। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a)	मिथ्यादृष्टि की गति	-	285	.....
(b)	श्रावक की गति	-	40	.....
(c)	सूक्ष्म वायुकाय की गति	-	15	.....
(d)	पहले किल्विषी की आगति	-	267	.....
(e)	बेइन्द्रिय की गति	-	20	.....
(f)	गर्भज की आगति	-	553	.....
(g)	सर्वार्थसिद्ध की आगति	-	48	.....
(h)	जलचर की आगति	-	30	.....
(i)	हरिवास की आगति	-	179	.....
(j)	दूसरे देवलोक की आगति	-	42	.....

प्र.5 निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :- **10x2=(20)**

(a) जहा .....

..... अप्पयं।।

(b) कहं .....

..... वसंगओ।।

(c) सोही .....

..... पावए।।

(d) सव्व .....

.....बंधइ।।

(e) अहं .....

.....चर।।

(f) माता-पिता .....

.....

.....

.....प्रीति से।।

(g) **मैंने** .....

.....

.....

.....**क्रिया।।**

(h) **ज्ञानं** .....

.....

.....

..... **किरणाकुलेऽपि।।**

(i) **तुभ्यं** .....

.....

.....

.....**भवोदधि-शोषणाय।।**

(j) **गंभीर** .....

.....

.....

..... **प्रवादी।।**

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर 1-2 पंक्तियों में दीजिए :- 2x2=(4)

(a) **रात्रिभोजन त्याग से होने वाले कोई चार लाभ बताइए।**

.....

.....

(b) **आगम की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।**

.....

.....

प्र.7 निम्न प्रश्नों के उत्तर 2-3 पंक्तियों में दीजिए :- 6x3=(18)

(a) **दशवैकालिक सूत्र के दूसरे अध्ययनानुसार त्यागी के क्या लक्षण हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(b) **दशवैकालिक सूत्र के पहले अध्ययनानुसार श्रमण और भ्रमण की तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(c) **अन्तगडदशा सूत्र नाम क्यों ? इसका क्या महत्त्व है ?**

.....

.....

.....

.....

(d) **'कोई जीव सोते तो कोई जागते अच्छे'। ऐसा क्यों ?**

.....

.....

.....

.....

(e) **श्रोत्रेन्द्रिय के वश में हुआ जीव कैसे कर्म बांधता है ?**

.....

.....

.....

.....

(f) **गति-आगति के थोकड़े सम्बन्धी प्रमुख दो नियम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

प्र.8 निम्न के अर्थ लीखिए :- **6x3=(18)**

(a) **जइ तं काहिसि भावं, जा जा दिच्छसि नारिओ।**

वायाविद्धोव्व हडो, अट्ठिअप्पा भविस्ससि।।

.....

.....

.....

.....

(b) **धिरत्थु तेऽजसोकामी, जो तं जीविय कारणा।**

वंतं इच्छसि आवेउं, सेयं ते मरणं भवे।।

.....

.....

.....

.....

(c) **अप्पा चेव दमेयव्वो, अप्पा हु खलु दुद्दमो।**

अप्पा दंतो सुही होइ, अस्सिं लोए परत्थ य।।

.....

.....

.....

.....

(d) **स्त्रीणां शतानि शतशो जनयन्ति पुत्रान्, नान्या सुतं त्वदुपमं जननी प्रसूता।**

सर्वा दिशो दधति भानि सहस्त्ररश्मिं, प्राच्येव दिग्जनयति स्फुरदंशुजालम्।।

.....

.....

.....

.....

(e) **नास्तं कदाचिदुपयासि न राहुगम्यः, स्पष्टीकरोषि सहसा युगपज्जगंति।**
नाम्भोधरोदर-निरूद्ध-महाप्रभावः, सूर्यातिशायिमहिमासि मुनीन्द्र ! लोके।।

.....

.....

.....

.....

(f) **किं शर्वरीषु शशिनाऽह्नि विवस्वता वा, युष्मन्मुखेन्दु-दलितेषु तमस्सु नाथ !**
निष्पन्न शालिवनशालिनि जीवलोके, कार्यं कियज्जलधरैर्जल भार-नमैः।।

.....

.....

.....

.....